नं. 1

संजीव®

बुक्स

भूगोल-XII

(1) मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त (भाग-1) एवं

(2) भारत : लोग और अर्थव्यवस्था (भाग-2)

(प्रायोगिक कार्य सहित)

(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2026 के प्रश्न-पत्र का समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- शिक्षा विभाग, राजस्थान द्वारा जारी प्रश्न बैंक के प्रश्नों का हल सहित समावेश
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2027

संजीव प्रकाशन,

जयपुर

मूल्य : ₹ 400/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 400.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  आधुनिक बुक बाईन्डर, जयपुर

  ★★★★★★★

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय–सूची

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त (भाग-1)

इकाई I.

1. मानव भूगोल—प्रकृति एवं विषय-क्षेत्र 1–13

इकाई II.

2. विश्व जनसंख्या—वितरण, घनत्व और वृद्धि 14–29
3. मानव विकास 30–42

इकाई III.

4. प्राथमिक क्रियाएँ 43–69
5. द्वितीयक क्रियाएँ 70–88
6. तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 89–107
7. परिवहन एवं संचार 108–130
8. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार 131–143

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न **144–164**

भारत–लोग और अर्थव्यवस्था (भाग-2)

इकाई I.

1. जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन 165–181

इकाई II.

2. मानव बस्तियाँ 182–192

इकाई III.

3. भूसंसाधन तथा कृषि 193–217
4. जल-संसाधन 218–234
5. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन 235–250
6. भारत के सन्दर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास 251–263

इकाई IV.

7. परिवहन तथा संचार 264–280

8. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार 281–290

इकाई V.

9. भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ 291–303

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न **304–320**

भूगोल में प्रयोगात्मक कार्य

1. आँकड़े : स्रोत और संकलन 321–332

2. आँकड़ों का प्रक्रमण 333–341

3. आँकड़ों का आलेखी निरूपण 342–360

4. स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी 361–368

❑❑❑

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2026

भूगोल
(GEOGRAPHY)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 56**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें।
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
7. प्रश्न क्रमांक **17** से **18** मानचित्र कार्य से संबंधित हैं। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।
8. विश्व एवं भारत के उपलब्ध कराए गए रेखा-मानचित्रों को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी करें।

खण्ड-अ (Section-A)

1. नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए (i से xviii)।

[Write the correct answer to the given multiple choice questions in the answer-booklet (i to xviii).]

(i) कौन-सी विचारधारा के अनुसार मानव जीवन प्रकृति से पूर्णतया नियंत्रित होता है? [½]
(अ) संभववाद (ब) निश्चयवाद (स) नवनिश्चयवाद (द) आमूलवादी

(ii) कौन-सा आर्थिक भूगोल का उपक्षेत्र है? [½]
(अ) ऐतिहासिक भूगोल (ब) संसाधन भूगोल
(स) सैन्य भूगोल (द) निर्वाचन भूगोल

(iii) मानव विकास प्रतिवेदन प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है— [½]
(अ) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के द्वारा (ब) विश्व बैंक के द्वारा
(स) विश्व व्यापार संगठन के द्वारा (द) विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा

(iv) मानव विकास के उच्च स्तर वाले देशों के संबंध में कौन-सा कथन सत्य है? [½]
(अ) सामाजिक सेक्टर में अधिक निवेश (ब) सामाजिक सेक्टर में कम निवेश
(स) राजनीतिक अस्थिरता (द) असमान संसाधन वितरण

(v) निम्न प्रजननशीलता व निम्न मर्त्यता जनसंख्या संक्रमण की कौन-सी अवस्था की विशेषता होती है? [½]
(अ) प्रथम (ब) द्वितीय (स) तृतीय (द) इनमें से कोई नहीं

(vi) प्रत्यक्ष रूप से पर्यावरण पर निर्भर आर्थिक क्रिया कौन-सी है? [½]
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक (स) तृतीयक (द) चतुर्थक

(vii) कुटीर उद्योग की सर्वप्रमुख विशेषता है— [½]
(अ) निर्माण की मध्यम इकाई (ब) आयातित कच्चे माल का उपयोग
(स) पूँजी व परिवहन का ज्यादा प्रभाव (द) साधारण औजारों द्वारा पारिवारिक स्तर पर उत्पादन

(viii) कौन-सा पत्तन फेरी पत्तन के नाम से भी जाना जाता है? [½]
(अ) पैकेट स्टेशन पत्तन (ब) मार्ग पत्तन
(स) आंत्रपो पत्तन (द) नौसेना पत्तन

(ix) गहन निर्वहन कृषि का सर्वप्रमुख क्षेत्र है— [½]
(अ) मानसून एशिया (ब) उत्तरी अमेरिका (स) मध्य यूरोप (द) मध्य अफ्रीका

(x) कौन-सा सही सुमेलित है? [½]
(अ) रोपण कृषि - चाय, काफी, गेहूँ (ब) भूमध्यसागरीय कृषि - खट्टे फल
(स) मिश्रित कृषि - चाय, गेहूँ, खट्टे फल (द) स्थानांतरणशील कृषि - मैक्सिको में लदांग

(xi) अनुसंधान व विकास आधारित क्रियाकलाप सम्मिलित है— [½]
(अ) प्राथमिक क्रियाकलाप (ब) द्वितीयक क्रियाकलाप
(स) तृतीयक क्रियाकलाप (द) चतुर्थक क्रियाकलाप

(xii) एशिया में रेलमार्गों का सघनतम घनत्व पाया जाता है— [½]
(अ) जापान, चीन, भारत में (ब) भारत, चीन, पाकिस्तान में
(स) पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल में (द) भारत, भूटान, नेपाल में

(xiii) निम्न में से कौन-से राज्य में सन् 2011-21 के दशक में जनसंख्या वृद्धि दर निम्नतम दर्ज की गई है? [½]
(अ) केरल (ब) उत्तर प्रदेश (स) आंध्र प्रदेश (द) तमिलनाडू

(xiv) भारत की पहली जनगणना कब हुई थी? [½]
(अ) 1881 (ब) 1872 (स) 1811 (द) 1821

(xv) नगरीय बस्तियों की विशेषता है— [½]
(अ) विशाल आकृति व आकार, प्रशासकीय प्रकार्य
(ब) छोटा आकार व प्राथमिक कार्य (स) अन्य बस्तियों से परस्पर जुड़ाव नहीं
(द) परस्पर वस्तुओं व सेवाओं का विनिमय नहीं

(xvi) "नागपुर योजना" का संबंध है— [½]
(अ) सड़क परिवहन (ब) वायु परिवहन (स) जल परिवहन (द) रेल परिवहन

(xvii) कच्छ की खाड़ी के मुहाने पर अवस्थित पत्तन है— [½]
(अ) कांडला (ब) मुंबई (स) न्यू मंगलौर (द) पारादीप

(xviii) कौन-सा प्रदूषण स्थान विशिष्ट होता है? [½]
(अ) वायु प्रदूषण (ब) जल प्रदूषण (स) भू-प्रदूषण (द) ध्वनि प्रदूषण

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (i से x) [Fill in the blanks (i to x)] **:**

(i) मानव भूगोल की ..... विचारधारा का संबंध लोगों के सामाजिक कल्याण से है। [½]
..... school of thought in human geography is concerned with social well-being of the people.

(ii) विकास का अर्थ ..... परिवर्तन है। [½]
Development means a ..... change.

(iii) समय के दो अन्तरालों के बीच एक क्षेत्र विशेष में होने वाली जनसंख्या में परिवर्तन को ..... कहा जाता है। [½]
Change of population in particular area between two points of time is known as ..... .

(iv) लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना ..... कहलाता है। [½]
Movement of people from one place to another is called ..... .

(v) ..... कृषि में फसलोत्पादन एवं पशुपालन दोनों को समान महत्त्व दिया जाता है। [½]
Equal emphasis is laid on crop cultivation and animal husbandry in ..... farming.

(vi) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग ..... के अधीन होते हैं। [½]
Public sector industries are owned by ..... .

(vii) रूड़की ..... नगर का उदाहरण है। [½]
Roorki is an example of ..... town.

(viii) नगर आर्थिक वृद्धि के ..... के रूप में कार्य करते हैं। [½]
Cities act as ..... of economic growth.

(ix) पान्ना, पाड़ा, पाली, नगला, ढाणी, इत्यादि ..... बस्तियों के नाम होते हैं। [½]
..... settlements are called Panna, Para, Palli, Nagla, Dhani, etc.

(x) ..... कयाल को ''अरब सागर की रानी'' के नाम से जाना जाता है। [½]

..... Kayal is popularly known as the "Queen of the Arabian Sea".

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न : (उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।)

Very Short Answer Type Questions : (Answer in **one** word or **one** line.)

(i) मानव विकास के किन्हीं दो उपागमों के नाम लिखिए। [$^1/_2+^1/_2=1$]
Write names of any two approaches of Human Development.

(ii) मानव विकास सूचकांक को मानव विकास मापन का सर्वाधिक विश्वसनीय माप क्यों नहीं कहा जाता है? [1]
Why is Human Development Index not considered as the most reliable measurement of Human Development?

(iii) दहन कृषि क्या है? [1]
What is slash and burn agriculture?

(iv) पनामा नहर में जलबंधक क्यों बनाये गए हैं? [1]
Why are sluice gate built in the panama canal?

(v) जनसंख्या वृद्धि के दो घटकों के नाम लिखिए। [$^1/_2+^1/_2=1$]
Write names of two components of population growth.

(vi) किसी देश के जनसंख्या अध्ययन में जनघनत्व का क्या महत्त्व होता है? [1]
What is the importance of population density in population study of a country?

(vii) हेमेटाइट व मैग्नेटाइट किस अयस्क के प्रकार हैं? [1]
Hematite and magnetite are types of which ore?

(viii) भारत के सड़क जाल का विश्व में कौन-सा स्थान है? [1]
What is the rank of India's road network in the world?

(ix) गंदी बस्तियों के बनने में प्रवास की क्या भूमिका होती है? [1]
What is the role of migration in the development of Slums?

खण्ड-ब (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न : (उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द।)

Short Answer Type Questions : (Answer word limit approx. **50** words.)

4. भूगोल की नवनिश्चयवाद विचारधारा को संक्षिप्त में समझाइए। [$1^1/_2$]
Briefly explain the neo-determinism school of geography.

5. मुक्त व्यापार विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर कैसे नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं? स्पष्ट कीजिए। [$1^1/_2$]
How can free trade negatively impact the economies of developing countries? Explain.

6. उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग के विश्व के व्यस्ततम व्यापारिक जलमार्ग के रूप में विकसित होने के कारणों का विश्लेषण कीजिए। [$1^1/_2$]
Analyse the reasons for the development of the North Atlantic Sea route as the world's busiest trade sea route.

7. जलवायु भी पर्यटक स्थलों को विकसित करती है। कैसे? [$1^1/_2$]
Climate also develops tourist destinations. How?

8. सतत पोषणीय विकास क्या होता है? [$1^1/_2$]
What is sustainable development?

9. भारत में कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण के तीन कारण लिखिए। [$^1/_2+^1/_2+^1/_2=1^1/_2$]
Write three reasons for degradation of cultivable land in India.

10. राष्ट्रीय राजमार्ग के दो महत्त्व लिखिए। [$^3/_4+^3/_4=1^1/_2$]
Write two importance of National Highways.

11. अपशिष्ट पदार्थों के सकारात्मक उपयोग बताइए। [$1^1/_2$]
Explain the positive uses of waste materials.

खण्ड-स (Section-C)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द।)

Long Answer Type Questions : (Answer limit approx. **100** words.)

12. व्यापारिक केन्द्र क्या होते हैं? ग्रामीण तथा नगरीय व्यापारिक केन्द्रों की विशेषताएँ बताइए। [1+2=3]
What are trading centres? Explain the characteristics of rural and urban trading centres.

अथवा/OR

बाह्य स्रोतन क्या है? बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के कार्यों का निपटान प्रमुखत: बाह्य स्रोतन ही होता है। समझाइए।
What is outsourcing? Multi-national companies primarily handle their operations through outsourcing. Explain.

13. प्रौद्योगिकी विकास का भारत के कृषि उत्पादन पर क्या प्रभाव पड़ा? समीक्षा कीजिए। [3]
What is the impact of technological development on agricultural production in India? Review it.

अथवा/OR

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए किए गये उपायों की विवेचना कीजिए।
Discuss the measures taken to increase food grain production in the country after independence.

14. भारत में सौर ऊर्जा व जैव ऊर्जा का वर्णन कीजिए। [3]
Describe solar energy and bio-energy in India.

अथवा/OR

भारत में खनिज संसाधनों के संरक्षण पर निबंध लिखिए।
Write an essay on conservation of mineral resources in India.

खण्ड-द (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न : (उत्तर शब्द सीमा लगभग 150 शब्द।)

Essay Type Questions : (Answer limit approx. **150** words.)

15. कच्चे माल पर आधारित चार उद्योगों का वर्णन कीजिए। [4]
Describe four industries based on raw material.

अथवा/OR

"उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग निर्माण क्रियाओं में नवीनतम पीढ़ी है।" इस आधार पर उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों की चार विशेषताएँ लिखिए।
"High technology industries are the latest generation in manufacturing activities." On the basis of this, write four characteristics of high technology industries.

16. भारत में जल संरक्षण का महत्त्व, प्रबंधन तथा वर्षा जल को संग्रहित करने के उपायों पर प्रकाश डालिए। [1+1+2=4]
Throw light on the importance of water conservation, its management and measures to harvest rain water in India.

अथवा/OR

जल समस्या क्या है? भारत में जल का पुन: चक्रण तथा जल-संभर प्रबंधन की विवेचना कीजिए।
What is the water problem? Discuss water recycling and watershed management in India.

खण्ड-य (Section-E)

17. दिए गए विश्व के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित बदरगाहों को अंकित कीजिए— [4×½=2]
(अ) पर्थ (ब) हांगकांग (स) वैंकूवर (द) कोलंबो
Mark the following ports on the given outline map of the world—
(A) Perth (B) Hongkong (C) Vancouver (D) Colombo

18. दिए गए भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित लौह अयस्क खानों को अंकित कीजिए— [4×½=2]
(अ) बल्लारि (ब) दुर्ग (स) बेलाडिला (द) मयूरभंज
Mark the following Iron ore mines on the given outline map of India—
(A) Ballari (B) Durg (C) Bailadila (D) Mayurbhanj

भूगोल–कक्षा 12 (भाग-1)

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

इकाई-I

1. मानव भूगोल—प्रकृति एवं विषय-क्षेत्र

पाठ-सार

मानव भूगोल की प्रकृति—भौतिक भूगोल भौतिक पर्यावरण का अध्ययन करता है, जबकि मानव भूगोल 'भौतिक/प्राकृतिक पर्यावरण तथा मानवीय जगत् के बीच सम्बन्ध, मानवीय घटनाओं का स्थानिक वितरण तथा उनके घटित होने के कारण एवं विश्व के विभिन्न भागों में सामाजिक और आर्थिक विभिन्नताओं का अध्ययन करता है।' भौतिक पर्यावरण के अंग हैं, यथा—स्थलाकृति, मृदा, जलवायु, जल, प्राकृतिक वनस्पति और विविध प्राणिजात आदि।

मानव का प्राकृतिकरण और प्रकृति का मानवीकरण—मनुष्य अपनी प्रौद्योगिकी की सहायता से अपने भौतिक पर्यावरण से अन्योन्य क्रिया करता है। प्रौद्योगिकी किसी समाज में सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक होती है। प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए प्रकृति का ज्ञान महत्त्वपूर्ण है और प्रौद्योगिकी मनुष्य पर पर्यावरण की बंदिशों को कम करती है। प्राकृतिक पर्यावरण से अन्योन्य क्रिया की आरम्भिक अवस्थाओं में मानव इससे अत्यधिक प्रभावित हुआ था। उन्होंने प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आपको ढाल लिया, क्योंकि प्रौद्योगिकी का स्तर अत्यन्त निम्न था और मानव के सामाजिक विकास की अवस्था भी आदिम थी।

आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच इस प्रकार की अन्योन्य क्रिया को 'पर्यावरणीय निश्चयवाद' (वातावरण निश्चयवाद) कहा गया।

प्रारम्भिक अवस्था में प्रकृति और मनुष्य के सम्बन्ध—प्रारम्भिक अवस्था में प्रकृति और मनुष्य के पारस्परिक सम्बन्धों में मनुष्य प्रकृति से अधिक प्रभावित था। वह प्रकृति के अनुसार चलता था। ऐसे समाजों के लिए भौतिक पर्यावरण 'माता-प्रकृति' के समान था। समय के साथ मनुष्य ने प्रकृति तथा प्राकृतिक शक्तियों को पहचानना शुरू कर दिया। सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के फलस्वरूप मनुष्य ने बेहतर तकनीक का विकास कर लिया। वह स्वतन्त्रता की स्थिति के लिए आगे बढ़ने लगा।

सम्भववाद—मानव ने संसाधनों से सम्भावनाओं की जानकारी प्राप्त कर ली। मानव क्रियाओं की छाप को प्रत्येक स्थान पर देखा जा सकता है। उच्च स्थानों पर स्वास्थ्य विश्रामस्थल, विशाल नगरीय विस्तार, चरागाह, उद्यान आदि पर्वतों और मैदानों में देखे जा सकते हैं। तटीय भागों में बन्दरगाह, महासागरीय मार्ग तथा अन्तरिक्ष में उपग्रह आदि ये सभी मानव क्रियाएँ हैं। आरम्भिक विद्वानों ने इसे 'सम्भववाद' का नाम दिया। मानव-वातावरण अन्तर्सम्बन्धों की इस विचारधारा के अनुसार प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मनुष्य इनका लाभ उठाता है। इस प्रकार धीरे-धीरे प्रकृति मानवकृत हो जाती है और मानव छाप उस पर पड़नी शुरू हो जाती है।

नवनिश्चयवाद—ग्रिफिथ टेलर ने मानव प्रकृति के सम्बन्ध में मध्यम मार्ग की खोज की। यह पर्यावरणीय निश्चयवाद और संभववाद के मध्य था। उन्होंने इसे 'नव निश्चयवाद अथवा रुको व जाओ निश्चयवाद' कहा। इस विचारधारा के अनुसार न तो पर्यावरणीय निश्चयवाद की स्थिति रहती है और न ही संभववाद की स्थिति रहती है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्राकृतिक नियमों का पालन करते हुए मनुष्य अपने प्रयास से प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकता है।

मानव भूगोल के क्षेत्र और उप-क्षेत्र—मानव भूगोल मानव जीवन के सभी तत्त्वों तथा अन्तराल जिसके अन्तर्गत वे घटित होते हैं, के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या करने का प्रयास करती है। इस प्रकार मानव भूगोल की प्रकृति अत्यधिक अन्तरविषयक है। मानवीय तत्त्वों को समझने व उनकी व्याख्या करने के लिए मानव भूगोल सामाजिक

विज्ञानों के सहयोगी विषयों के साथ घनिष्ठ अन्तरापृष्ठ विकसित करता है। इसके उपक्षेत्रों के मध्य सीमाएँ प्रायः अतिव्यापी होती हैं। मानव भूगोल का विकास निम्न छह अवस्थाओं के अन्तर्गत हुआ है—

	समय अवधि	उपागम
(i)	आरम्भिक उपनिवेश युग	अन्वेषण एवं विवरण
(ii)	उत्तर उपनिवेश युग	प्रादेशिक विश्लेषण
(iii)	अन्तर युद्ध अवधि के बीच 1930 का दशक	क्षेत्रीय विभेदन
(iv)	वर्ष 1950 के दशक के अन्त से 1960 के दशक के अन्त तक	स्थानिक संगठन
(v)	1970 का दशक	मानवतावादी, आमूलवादी और व्यवहारवादी विचारधाराओं का उदय
(vi)	1990 का दशक	भूगोल में उत्तर-आधुनिकवाद

भौगोलिक शब्द

1. मानव भूगोल—वह भूगोल जो भौतिक पर्यावरण तथा मानव-जनित सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण के अन्तर्सम्बन्धों का अध्ययन उनकी परस्पर अन्योन्यक्रिया के द्वारा करता है।

2. पर्यावरण—वे प्राकृतिक परिस्थितियाँ जिनमें मनुष्य रहता है तथा जिनसे वह प्रभावित होता है।

3. पर्यावरणीय निश्चयवाद—मानव शक्तियों की तुलना में प्राकृतिक शक्तियों की प्रधानता मानने वाली विचारधारा। इस विचारधारा के अनुसार आदिम मानव समाज ने प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आपको ढाल लिया।

4. संभववाद—मानव-प्राकृतिक वातावरण के अन्तर्सम्बन्धों की यह विचारधारा मानवीय चयन या स्वतंत्रता को महत्त्व देती है।

5. मानवतावाद—वह अध्ययन जिसमें मानव जागृति, मानव संसाधन, मानव चेतना तथा मानव की सृजनात्मकता के सन्दर्भ में मनुष्य की केन्द्रीय एवं क्रियाशील भूमिका पर जोर दिया जाता है।

6. नव-निश्चयवाद अथवा नव-नियतिवाद—इस विचारधारा के अनुसार मानव भूगोल में निश्चयवाद तथा सम्भववाद की चरम स्थितियों के बीच मध्यम मार्ग का अनुसरण किया जाता है। इसके अनुसार प्राकृतिक नियमों का पालन कर मानव प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकता है।

7. प्रत्यक्षवाद—वह विचारधारा जिसमें मात्रात्मक विधियों के उपयोग पर जोर दिया गया है जिससे विभिन्न कारकों के भौगोलिक प्रतिरूपों के अध्ययन के समय विश्लेषण को अधिक वस्तुनिष्ठ बनाया जा सका।

8. कल्याणपरक विचारधारा—इस विचारधारा से तात्पर्य मानव भूगोल में पूँजीवाद से उत्पन्न ऐसी सामाजिक समस्याओं का समावेश है, जिसमें सामाजिक तथा प्रादेशिक असमानता, निर्धनता, नगरीय गन्दी बस्तियों आदि का अध्ययन किया जाता है जिससे उसके निराकरण पर जोर दिया जा सके।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

प्रश्न 1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए—

(i) निम्नलिखित कथनों में से कौनसा एक भूगोल का वर्णन नहीं करता?
(क) समाकलनात्मक अनुशासन
(ख) मानव और पर्यावरण के बीच अन्तर-सम्बन्धों का अध्ययन
(ग) द्वैधता पर आश्रित
(घ) प्रौद्योगिकी के विकास के फलस्वरूप आधुनिक समय में प्रासंगिक नहीं।

(ii) निम्नलिखित में से कौनसा एक भौगोलिक सूचना का स्रोत नहीं है?
(क) यात्रियों के विवरण
(ख) प्राचीन मानचित्र
(ग) चन्द्रमा से चट्टानी पदार्थों के नमूने
(घ) प्राचीन महाकाव्य।

(iii) निम्नलिखित में कौनसा एक लोगों और पर्यावरण के बीच अन्योन्य क्रिया का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है?
(क) मानव बुद्धिमत्ता (ख) प्रौद्योगिकी
(ग) लोगों के अनुभव
(घ) मानवीय भाईचारा।

(iv) निम्नलिखित में से कौनसा एक मानव भूगोल का उपगमन नहीं है?

(क) क्षेत्रीय विभिन्नता

(ख) मात्रात्मक क्रान्ति

(ग) स्थानिक संगठन (घ) अन्वेषण और वर्णन।

उत्तर—(i) (घ) (ii) (ग) (iii) (ख) (iv) (ख)।

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए।

(i) मानव भूगोल को परिभाषित कीजिए।

उत्तर—रैटजेल के अनुसार, ''मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच सम्बन्धों का संश्लेषित अध्ययन है।''

इस प्रकार ''मानव भूगोल वह विज्ञान है, जिसके अन्तर्गत मनुष्य और उनके भौतिक वातावरण के मध्य सम्बन्धों का अध्ययन किया जाता है।''

(ii) मानव भूगोल के कुछ उप-क्षेत्रों के नाम बताइये।

उत्तर—व्यवहारवादी भूगोल, सामाजिक कल्याण का भूगोल, अवकाश का भूगोल, सांस्कृतिक भूगोल, लिंग भूगोल, ऐतिहासिक भूगोल, चिकित्सा भूगोल, निर्वाचन भूगोल, सैन्य भूगोल, संसाधन भूगोल, कृषि भूगोल, उद्योग भूगोल, विपणन भूगोल, पर्यटन भूगोल तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल, मानव भूगोल के महत्त्वपूर्ण उप-क्षेत्र हैं।

(iii) मानव भूगोल किस प्रकार अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्धित है?

उत्तर—वस्तुत: मानव भूगोल के अन्तर्गत भू-पटल के विभिन्न भागों में प्राकृतिक वातावरण के सन्दर्भ में मानवीय क्रियाकलापों के अध्ययन को प्रधानता दी जाती है। चूँकि मानव मानवीय समाज की एक महत्त्वपूर्ण इकाई है अत: मानव भूगोल का उन सभी सामाजिक विज्ञानों से स्वत: सम्बन्ध हो जाता है, जो अपने अध्ययनों में मानवीय क्रियाकलापों के अध्ययनों को प्रधानता देते हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(i) मानव के प्राकृतीकरण की व्याख्या कीजिए।

उत्तर—मानव का प्राकृतीकरण—मनुष्य अपने भौतिक पर्यावरण से अपनी प्रौद्योगिकी की सहायता से ही अन्योन्य क्रिया करता है। प्रौद्योगिकी ही किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक होती है। मानव प्रकृति के नियमों को बेहतर ढंग से समझने के बाद ही प्रौद्योगिकी का विकास कर पाया। उदाहरण के लिए, घर्षण और ऊष्मा की संकल्पनाओं ने अग्नि की खोज में हमारी सहायता की। अत: प्रकृति का ज्ञान प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है तथा प्रौद्योगिकी मनुष्य पर पर्यावरण की बंदिशों को कम करती है।

प्राकृतिक पर्यावरण/वातावरण से अन्योन्य क्रिया की आरम्भिक अवस्थाओं में मानव इससे अत्यधिक प्रभावित हुआ था। उन्होंने प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आपको ढाल लिया था क्योंकि उस समय प्रौद्योगिकी का स्तर अत्यन्त निम्न था और मानव के सामाजिक विकास की अवस्था भी आदिम थी। प्रौद्योगिकी विकास की उस अवस्था में मानव अपने प्राकृतिक पर्यावरण के साथ पूर्णत: सामंजस्य बनाए हुए था। वह प्रकृति को एक शक्तिशाली बल, पूज्य, संरक्षित तथा सत्कार योग्य मानता था। अपने सतत पोषण हेतु मानव प्राकृतिक संसाधनों पर प्रत्यक्ष रूप से निर्भर था। इनके लिए भौतिक पर्यावरण 'माता-प्रकृति' के समान था। यह प्रक्रिया ही मानव का प्राकृतीकरण कहलाती है।

आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच इस प्रकार की अन्योन्य क्रिया को जर्मन भूगोलवेत्ताओं ने 'पर्यावरणीय निश्चयवाद' का नाम दिया।

(ii) मानव भूगोल के विषय-क्षेत्र पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर—मानव भूगोल का विषय-क्षेत्र

मानव भूगोल, मानव जीवन के सभी तत्वों तथा अंतराल, जिसके अन्तर्गत वे घटित होते हैं, के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या करने का प्रयत्न करती है। इस प्रकार मानव भूगोल की प्रकृति अत्यधिक अंतर-विषयक है। पृथ्वी तल पर पाए जाने वाले मानवीय तत्वों को समझने व उनकी व्याख्या करने के लिए मानव भूगोल, सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी विषयों के साथ घनिष्ठ अंतरापृष्ठ विकसित करती है।

अत: मानव द्वारा अपने प्राकृतिक वातावरण के सहयोग से जीविकोपार्जन करने के क्रियाकलापों से लेकर उसकी उच्चतम आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किये गये सभी प्रयासों का अध्ययन मानव भूगोल के विषय क्षेत्र में आता है। इस प्रकार पृथ्वी पर जो भी दृश्य मानवीय क्रियाओं द्वारा निर्मित हैं, वे सभी मानव भूगोल के विषय क्षेत्र में सम्मिलित हैं। मानव भूगोल के विषय क्षेत्र, उपक्षेत्र तथा सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी विषयों से मानव भूगोल के सम्बन्धों को आगे दी गई तालिका में प्रस्तुत किया गया है—

तालिका : मानव भूगोल और सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनुशासन

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के संबंधित सहयोगी विषयों से संबंध
सामाजिक भूगोल	—	सामाजिक विज्ञान—समाजशास्त्र
	व्यवहारवादी भूगोल	मनोविज्ञान
	सामाजिक कल्याण का भूगोल	कल्याण अर्थशास्त्र
	अवकाश का भूगोल	समाजशास्त्र
	सांस्कृतिक भूगोल	मानव विज्ञान
	लिंग भूगोल	समाजशास्त्र, मानव विज्ञान, महिला अध्ययन
	ऐतिहासिक भूगोल	इतिहास
	चिकित्सा भूगोल	महामारी विज्ञान
नगरीय भूगोल	—	नगरीय अध्ययन और नियोजन
राजनीतिक भूगोल	—	राजनीति विज्ञान
	निर्वाचन भूगोल	—
	सैन्य भूगोल	सैन्य विज्ञान
जनसंख्या भूगोल	—	जनांकिकी
आवास भूगोल	—	नगर/ग्रामीण नियोजन
आर्थिक भूगोल	—	अर्थशास्त्र
	संसाधन भूगोल	संसाधन अर्थशास्त्र
	कृषि भूगोल	कृषि विज्ञान
	उद्योग भूगोल	औद्योगिक अर्थशास्त्र
	विपणन भूगोल	व्यावसायिक अर्थशास्त्र, वाणिज्य
	पर्यटन भूगोल	पर्यटन और यात्रा प्रबंधन
	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

इस प्रकार मानव भूगोल के अन्तर्गत पृथ्वी के विभिन्न प्रदेशों के भौगोलिक वातावरण एवं लगातार विकासशील तथा गतिशील मानव समूहों के अन्तर्सम्बन्धों में मानवीय क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है। अत: मानव भूगोल का विषय-क्षेत्र बहुत व्यापक है।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—

1. कौन-सी विचारधारा के अनुसार मानव जीवन प्रकृति से पूर्णतया नियंत्रित होता है?
(माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2026)
(अ) संभववाद (ब) निश्चयवाद
(स) नवनिश्चयवाद (द) आमूलवादी

2. कौन-सा आर्थिक भूगोल का उपक्षेत्र है?
(माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2026, 2023)
(अ) ऐतिहासिक भूगोल (ब) संसाधन भूगोल
(स) सैन्य भूगोल (द) निर्वाचन भूगोल

3. "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।" मानव भूगोल की यह परिभाषा देने वाले हैं–
(माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2024; मॉडल पेपर, 2025-26)
(अ) ब्लाश (ब) रिचतोफेन
(स) रेटजैल (द) सेम्पल

4. निम्नलिखित में से आर्थिक भूगोल की शाखा नहीं है –
(माध्य. शिक्षा बोर्ड, मॉडल पेपर, 2025-26)
(अ) कृषि भूगोल (ब) संसाधन भूगोल
(स) व्यवहारवादी भूगोल (द) पर्यटन भूगोल

5. "मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।" मानव भूगोल की यह परिभाषा किसने दी है?
(माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2025; मॉडल पेपर, 2021-22; प्रश्न बैंक)
(अ) एलेन सी. सेंपल (ब) रैटजेल